WHISPERS IN THE CORRIDORS .COM

नईदुनिया से विशेष अनुबंध के तहत

राजनीतिक, प्रशासनिक व कॉर्पोरेट जगत की खबरें

राजनीतिक

● अगला शिक्षा मंत्री संभवतः एबीवीपी से होगा?

ऐसी व्यापक मान्यता है कि मोदी मंत्रिमंडल में अगला शिक्षा मंत्री एबीवीपी से होगा। कुछ नामों की चर्चा भी शुरू हो चुकी है।

● रूस-यूक्रेन संघर्ष में शांति के लिए भारत के राजनयिक प्रयास रंग ला रहे

रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, भारत रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक संभावित मध्यस्थ के रूप में सक्रिय रूप से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बार-बार इस बात पर जोर देना कि 'यह युद्ध का युग नहीं है' और उनका यह कथन कि 'अंतहीन युद्ध को अब अंत की ओर अग्रसर होना चाहिए' शत्रुता को तत्काल समाप्त करने के लिए नई दिल्ली के सक्रिय रुख का संकेत देता है। कूटनीतिक पर्यवेक्षक इन बयानों और विभिन्न राजधानियों में उच्च स्तरीय बैठकों को एक समन्वित शांति प्रयास के रूप में देखते हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यूक्रेनी नेतृत्व के साथ सीधी बातचीत भारत की मध्यस्थता करने की तत्परता को और रेखांकित करती है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि समाधान युद्ध के मैदान के बजाय संवाद के माध्यम से ही निकलने चाहिए। साथ ही, अमेरिकी अधिकारियों की भागीदारी वाली राजनयिक बातचीत नई दिल्ली की सेतु निर्माण भूमिका में अंतरराष्ट्रीय रुचि को दर्शाती है। मॉस्को के साथ दीर्घकालिक संबंधों और पश्चिमी शक्तियों के साथ बढ़ती साझेदारी के बीच संतुलन बनाए रखते हुए, भारत विरोधी पक्षों के बीच संवाद स्थापित करने में विशिष्ट रूप से सक्षम है।

● क्या पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस में वापस लौट रहे हैं?

ऐसी अफवाहें हैं कि राहुल गांधी के पंजाब दौरे की पूर्व संध्या पर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह कांग्रेस में फिर से शामिल हो रहे हैं।

● इसरो का पुनर्गठनः नुकसान की भरपाई या दिशा में सुधार?

प्रमुख आईएसआरओ केंद्रों में नेतृत्व में हुए फेरबदल को कुछ लोग महज सामान्य सेवानिवृत्तियों से कहीं अधिक गंभीर मान रहे हैं। बड़ा सवाल यह हैः क्या कोई व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन चल रहा है?

● सीईओ के बाद, राम मंदिर ट्रस्ट को संभवतः एक नया डिप्टी सीईओ मिलेगा?

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) जीतेंद्र मिश्रा की नियुक्ति के बाद, अब एक उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है।

प्रशासनिक

● क्या जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात केंद्र सरकार में शामिल होंगे?

ऐसी खबरें हैं कि जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात एक-दो महीने में दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सीपीओ का नेतृत्व करने के लिए जा रहे हैं। वे आंध्र प्रदेश कैडर के 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

● क्या मनीषा महाराष्ट्र की दूसरी महिला मुख्य सचिव बनेंगी?

यदि आईएएस अधिकारी मनीषा म्हैस्कर महाराष्ट्र की अगली मुख्य सचिव बनती हैं, तो वह इस पद को संभालने वाली दूसरी महिला होंगी। वह 1992 बैच की आईएएस अधिकारी हैं।

● आरके अग्रवाल सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के नए सीएमडी

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के सीएमडी रबींद्र कुमार अग्रवाल को केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे केरल कैडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

● सूचना एवं प्रसारण विभाग के संयुक्त सचिव अजय नागभूषण को मूल कैडर कर्नाटक में वापस भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी

भारत सरकार ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अजय नागभूषण एमएन, आईएएस (केएन:2004), संयुक्त सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को उनके मूल कैडर में समय से पहले वापस भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

● पद रिक्त हैं, आईआईएस अधिकारियों की पदोन्नति में देरी; मंत्रालय ने लंबित अदालती मामलों को बहाना बताया

भारतीय सूचना सेवा (ग्रुप ए) कैडर के अधिकारियों का मनोबल इस समय काफी कम है। 2020 और 2021 बैच के अधिकारी जूनियर टाइम स्केल (जेटीएस) से सीनियर टाइम स्केल (एसटीएस) में पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि लगभग 60 एसटीएस पद रिक्त बताए जा रहे हैं। 1 जनवरी 2027 को जेटीएस अधिकारियों के 2022 बैच के पदोन्नति के लिए पात्र होने के साथ ही स्थिति और भी चिंताजनक होने की संभावना है। विभाग एवं पशु चिकित्सा विभाग के कैलेंडर के अनुसार, उनकी विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की प्रक्रिया सितंबर 2026 में शुरू की जानी है। हालांकि, इससे पहले के बैचों की पदोन्नतियां अभी भी लंबित हैं।

जेटीएस से एसटीएस पदोन्नति में देरी का असर आईआईएस सीनियर ग्रेड (ग्रुप बी) के अधिकारियों के करियर पर भी पड़ रहा है। जो अधिकारी अगले ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं, वे भी आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, क्योंकि जेटीएस से एसटीएस पदोन्नति में लंबे समय से हो रही देरी के कारण आवश्यक रिक्तियां और पदोन्नति के अवसर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। संबंधित मंत्रालय पदोन्नति रोकने के लिए लंबित अदालती मामलों का हवाला दे रहा है।

● उदय मेहता, उप महानिदेशक, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग में शामिल

विदेश व्यापार के उप महानिदेशालय उदय शंकर मेहता को डीजीएफटी (एचओ) से मुक्त कर उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में कार्यभार सौंप दिया गया है। वे एक सीएसएस अधिकारी हैं।

● 82 सेवानिवृत्त मेजर जनरलों के लिए रक्षा पेंशन में संशोधन

रक्षा मंत्रालय ने पेंशन संबंधी उस विसंगति को सशर्त रूप से ठीक करने की दिशा में कदम उठाया, जिससे 82 सेवानिवृत्त मेजर जनरल प्रभावित थे, जिन्हें अपने से एक रैंक नीचे सेवानिवृत्त होने वाले कुछ अधिकारियों की तुलना में कम पेंशन मिल रही थी; मेजर जनरल के पद पर उनकी पदोन्नति की तारीख से पूर्वव्यापी वेतन वृद्धि को अधिकृत किया गया था।

● असम सरकार की आधुनिक जरूरतों के अनुरूप पुलिस बल बनाने के लिए व्यापक पुनर्गठन की योजना

असम में दो विशेष पुलिस बटालियन बनाने की योजना है, जो कथित तौर पर आपदा राहत और तेल क्षेत्र सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेंगी, साथ ही पुलिस बल की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। यह राज्य पुलिस के नियमित जिला फेरबदल के बजाय अधिक विशेषज्ञता की ओर इशारा करता है।

यूपी टेक्सटाइल कान्क्लेव-2026 में मुख्यमंत्री योगी बोले, अब दंगा, कर्फ्यू, उपद्रव मुक्त है यूपी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ ने मंगलवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उद्योग हैं तो उद्यमिता भी है। दुनिया का सबसे युवा वर्क फोर्स भी हमारे पास है। कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार सृजन का क्षेत्र है तो वह वस्त्रोद्योग है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में हमने नई स्टोरी लिखने की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सेक्टर के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। यह राष्ट्रीय संकल्प तब ही पूरा होगा जब उत्तर प्रदेश अपना योगदान देगा।

उद्यमियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी की स्थिति क्या थी। किसी से छिपा नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट थी। हर जनपद में माफिया की सरकार संचालित थी। पूरे प्रदेश में हत्या, फिरौती, अपहरण उद्योग फलफूल रहा था। पेशेवर माफिया गुंडे, सत्ता के समानांतर अपनी व्यवस्था का संचालन करते थे।

निवेशक बाहर से व्यापार का सपना लेकर आता था। लौटता था वसूली की पर्ची लेकर। माफिया बंदूकें लहराकर कहीं से भी आ जा सकते थे। जहां हाथ रख दिया। वह जमीन उसकी होती थी। तत्कालीन सरकार मौन रहती थी। यूपी के नागरिकों के सामने पहचान का संकट था। यूपी के बाहर यूपी के नागरिकों को कोई आवास नहीं देता था। होटल में कमरा नहीं देता था। इससे भीषण त्रासदी किसी समाज के लिए दूसरी क्या होती।

आज उत्तर प्रदेश में दंगा, कर्फ्यू, अराजकता नहीं : मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यूपी दंगामुक्त है, कर्फ्यू मुक्त है, उपद्रव मुक्त है। अब कोई माफिया खुली जीप में अपनी पिस्टल लहराकर खुले आम नहीं घूम सकता।अब बेटी, व्यापारी या निवेशक की सुरक्षा में कोई सेंध लगाने का दुस्साहस कोई नहीं कर सकता, अगर किया तो दो ही जगह है, या तो जेल, या फिर जहन्नुम, तीसरी कोई जगह नही। ये बदल हुआ यूपी है। जब प्रदेश के अंदर 2017 के बाद यह विश्वास बहाल हुआ तो आज परिणाम है कि आमजन का, उद्यमियों का, व्यापारियों की विश्वास बहाली हुई।

यूपी में बड़े निवेश के लिए उद्योग जगत उत्साहित: रामी रेड्डी : उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए उद्योग जगत बड़े निवेश को लेकर उत्साहित है। 'यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026' के उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यसभा सदस्य, उद्योगपति, समाजसेवी तथा रामकी समूह के फाउंडर एवं चेयरमैन अल्ला अयोध्या रामी रेड्डी ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अनुकूल वातावरण की जमकर सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहे तेज विकास और बेहतर औद्योगिक वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब उद्योगों के लिए निवेश और विकास की संभावनाओं वाला महत्वपूर्ण गंतव्य बनकर उभरा है। रामी रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिस गति से देश आगे बढ़ रहा है, उसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उत्तर प्रदेश को नई सोच, अनुशासन और नियंत्रण के साथ आगे ले जा रहे हैं। प्रदेश में अनुशासन, नियंत्रण और सुरक्षा का वातावरण उद्योगपतियों में निवेश का भरोसा पैदा करता है। उद्योगपति अपना पैसा वहीं लगाना चाहते हैं, जहां उन्हें सुरक्षा के साथ स्थिर और भरोसेमंद वातावरण मिले।

अयोध्या की तर्ज पर विकसित होगा सीतापुर का नैमिषारण्य, बनेगा भव्य वैदिक स्वरूप

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश का नैमिषारण्य केवल एक प्राचीन तीर्थस्थल ही नहीं, बल्कि सनातन परंपरा में आस्था, ज्ञान और तपस्या की महत्वपूर्ण भूमि के रूप में प्रतिष्ठित है। सीतापुर जिले में गोमती नदी के तट पर स्थित इस पौराणिक तीर्थ को अब अयोध्या की तर्ज पर विकसित कर भव्य वैदिक नगरी का स्वरूप देने की दिशा में काम तेज किया गया है। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने नैमिषारण्य तीर्थ परिषद का गठन कर धार्मिक, सांस्कृतिक और बुनियादी सुविधाओं के योजनाबद्ध विकास की प्रक्रिया शुरू की है।

राजधानी लखनऊ से करीब 80 किलोमीटर दूर स्थित नैमिषारण्य लंबे समय से देश-विदेश के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा है। मान्यता है कि यहां साढ़े तीन करोड़ तीर्थ और तैंतीस कोटि देवताओं का वास है। सरकार की योजनाओं के पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी नया विस्तार मिलने की उम्मीद है।

88 हजार ऋषियों की तपोभूमि की मान्यता : नैमिषारण्य के नामकरण और इसकी महत्ता से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार, जब 88 हजार ऋषि-मुनियों ने ब्रह्माजी से कलियुग के प्रभाव से मुक्त ऐसी तपोभूमि के बारे में पूछा, जहां वे निरंतर साधना कर सकें, तब ब्रह्माजी ने एक चक्र छोड़ा। वह चक्र जिस स्थान पर रुका, वहां चक्र के आकार का कुंड बन गया। चक्र की 'नेमि' (धुरी/नेम) यहीं पर गिरी थी, जिस कारण इस स्थान का नाम नैमिषारण्य (नेमि + आरण्य) पड़ा।

वेद-पुराणों में भी इसे 88 हजार ऋषियों की तपस्या और ज्ञान की स्थली के रूप में वर्णित किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि महर्षि वेदव्यास ने यहीं वेदों का विभाजन किया और पुराणों की रचना तथा उनका पाठ किया। महाभारत सहित वायु पुराण और मार्कंडेय पुराण जैसे विभिन्न ग्रंथों में भी नैमिषारण्य का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि महाभारत की कथा का महत्वपूर्ण हिस्सा भी यहीं ऋषियों की प्रेरणा से सूतजी ने सुनाया था। सीतापुर निवासी डॉ. जितेंद्र प्रकाश मिश्र के अनुसार, नैमिषारण्य में दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ व्यक्ति को अपने जीवन के आध्यात्मिक संशयों से मुक्ति का अवसर भी मिलता है। उन्होंने कहा कि बचपन से इस तीर्थ की महिमा सुनते आए हैं और समय के साथ यहां लोगों की आस्था लगातार बढ़ी है।

मौर्य, शाक्य व सैनी समाज प्रदेश में सपा का 'जंगलराज' नहीं आने देगा : मौर्य

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मौर्य शाक्य व सैनी समाज सपा का 'जंगलराज' नहीं आने देगा। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि बाबू जगदेव प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर अपने सम्मेलन में अखिलेश यादव ने कुशवाहा, मौर्य, शाक्य और सैनी समाज को लुभाने के लिए जो पांसा फेंका है, उस पर इतना ही कहूंगा कि 'केर और बेर' का साथ नहीं हो सकता।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बतौर मुख्यमंत्री, उनकी 2012 से 2017 की सपा सरकार में इस समाज ने आपका अत्याचार और गुंडाराज झेला है। महापुरुषों के नाम पर वोट की झूठी राजनीति करने के दिन अब लद चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बने नए संसद भवन के शिखर पर विराजमान सम्राट अशोक की लाट देख लीजिए। भाजपा सरकारों को मालूम है कि महापुरुषों का सम्मान किस तरह किया जाता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले, माता सावित्रीबाई फुले और भगवान तथागत बुद्ध के नाम पर भी फ़र्ज़ी राजनीति करने वाली सपा को क़ायदे से मालूम होना चाहिए कि कुशवाहा, मौर्य, शाक्य और सैनी समाज अब फिर सपा का 'जंगलराज' नहीं आने देगा। राजनीति के लिहाज़ से कुशवाहा, मौर्य, शाक्य और सैनी समाज यूपी की राजनीति में सबसे असरदार रहा है और रहेगा।

हरित क्षेत्रफल में 3.38 लाख एकड़ की वृद्धि, योगी सरकार ने नौ वर्षों में प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 242 करोड़ पौधे लगाए

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए चलाए गए विभिन्न अभियानों के परिणामस्वरूप हरित क्षेत्रफल में 3.38 लाख एकड़ की वृद्धि हुई है।

राज्य सरकार के अनुसार, इस अवधि में प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सरकार के प्रयासों के साथ प्रदेशवासियों की व्यापक जनभागीदारी का परिणाम है।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चलाए गए 'एक पेड़ मां के नाम' और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'एक पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ' अभियान को प्रदेश में व्यापक जनसमर्थन मिला। किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में पौधे लगाए और उनके संरक्षण में भी भागीदारी की। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के कारण प्रदेश के हरित क्षेत्रफल में हुई वृद्धि अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने पिछले नौ वर्षों के दौरान पौधारोपण अभियान को लगातार विस्तार दिया है। कोविड-19 जैसी चुनौती के दौरान भी अभियान प्रभावित नहीं हुआ। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017 में करीब 5.5 करोड़ पौधों से शुरू हुआ अभियान लगातार आगे बढ़ा।

वर्ष 2018 में 11.27 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। वर्ष 2019 में 'वृक्षारोपण महाकुंभ' के तहत 22.59 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया गया। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के बीच भी 25.87 करोड़ पौधे लगाए गए। वर्ष 2021 में 30 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा किया गया, जबकि वर्ष 2022 में यह आंकड़ा बढ़कर 35.49 करोड़ हो गया।

वर्ष 2023 में प्रदेश में 30.21 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। वर्ष 2024 में 36.50 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य के मुकाबले रिकॉर्ड पौधारोपण किया गया और संचयी आंकड़ा 168 करोड़ के पार पहुंच गया। इसके बाद वर्ष 2025-26 में 'वृक्षारोपण महायज्ञ' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जुलाई 2026 में एक ही दिन में 35.27 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। सरकार के अनुसार, इस अभियान में सर्वाधिक 1.68 करोड़ पौधे एक जिले में लगाए गए।

एक्सप्रेसवे और राजमार्गों के किनारे विकसित हो रही हरित पट्टी : मंत्री ने बताया कि पौधारोपण को जनअभियान का स्वरूप देने के साथ एक्सप्रेसवे और राजमार्गों के किनारे हरित पट्टी विकसित करने के लिए 'मिशन छाया' पर भी काम किया जा रहा है।

पेयजल आपूर्ति के दौरान पाइप बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों को ठीक किया जाएगा : स्वतंत्र देव सिंह

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर पेयजल आपूर्ति के साथ लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा देने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मानसून के बाद अक्टूबर से पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर सड़क की मरम्मत का अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को अभियान से जुड़ी सभी तैयारियां समय से पूरी करने को कहा है, ताकि पेयजल योजनाओं के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द दुरुस्त कर ग्रामीणों को राहत दी जा सके।

जलशक्ति मंत्री ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न पेयजल योजनाओं की मंडलवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई स्थानों पर सड़कें खोदी गई हैं। मानसून के दौरान बारिश के कारण इन मार्गों पर लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अक्टूबर से अभियान चलाकर इन सड़कों को दोबारा भरकर, समतल करते हुए दुरुस्त किया जाए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं का काम पूरा होने के साथ लोगों को बेहतर सड़क सुविधा भी मिल सकेगी। पेयजल योजनाओं को समय से पूरा करने के निर्देशनिर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय में जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए जरूरत के अनुसार मैनपावर बढ़ाया जाए।

विहिप ने सामाजिक समरसता के कार्य का लिया संकल्प

मीरजापुर । विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के स्थापना दिवस पर मंगलवार को चुनार जिले के जमालपुर प्रखंड की ओर से ओड़ी गांव स्थित शैक्षणिक कोचिंग सेंटर परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने तथा सामाजिक समरसता के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। मुख्य वक्ता जिला संगठन मंत्री सुरेश सनातनी ने कहा कि छुआछूत, भेदभाव और सामाजिक दूरी समाप्त कर संगठित एवं समरस समाज के निर्माण के उद्देश्य से वर्ष 1964 में विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि परिषद जाति, मत, पंथ, भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर सामाजिक एकता और समरसता के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि गौरक्षा, सेवा, सामाजिक जागरूकता समेत विभिन्न क्षेत्रों में संगठन की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अशोक सिंहल के जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर कार्यकर्ताओं से परिषद की नीतियों और सेवा कार्यों को गांव-गांव तथा जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में शुभम श्रीवास्तव, केवल सिंह, सालिक राम, प्रेम बहादुर, पंकज सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री सुमित किशोर एवं श्रीमती प्रियंका सुमित किशोर, निवासी डी. के. – 4/216, दानिश कुंज, कोलार रोड, भोपाल ने श्री शरद कुमार अग्रवाल, निवासी सिविल लाईन, सागर से मौजा बड़तूमा, पटवारी हल्का नं. 75, सर्किल सागर–2, वार्ड नं. 18, सागर, स्थित खसरा नं. 238/1, 246/1, 243/1 एवं 249 में से प्लॉट नं. 43, क्षेत्रफल 1250 वर्गफुट (116.17 वर्गमीटर) क्रय किया था। उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र दिनांक 15.12.2022 को पंजीयक कार्यालय, सागर में पंजीकृत हुआ था, जिसका ई–पंजीयन क्रमांक MP33712022A11249293 है। उक्त मूल विक्रय पत्र क्रेतागण से कहीं गुम हो गया है, जिसकी सूचना दिनांक 03.09.2026 को संबंधित पुलिस थाना कोलार, भोपाल म.प्र. में दी जा चुकी है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त मूल विक्रय पत्र का कोई व्यक्ति दुरुपयोग अथवा उसके आधार पर किसी प्रकार का लेन–देन न करे। ऐसा कोई भी कृत्य क्रेतागण पर बाध्यकारी नहीं होगा।

विकास सिंह गुर्जर
ADVOCATE
जी.बी. 40, सी-ब्लॉक, मानसरोवर काम्पलेक्स, जैन मंदिर के पास, होशंगाबाद रोड, भोपाल, 9713126807

1535

विमान की लैंडिंग में देरी

लखनऊ: दिल्ली से लखनऊ आ रही एअर इंडिया की उड़ान एआई-1717 मंगलवार दोपहर पहले प्रयास में लैंड नहीं हो सकी।

In The Court Of I Civil Judge Senior Division, Civil Court, Bina
Presiding Officer:श्रीमती मीनाक्षी शर्मा जोशी
(RCSA/00000067/2026)
सुनीता जैन VS महावीर प्रसाद
Process ID-
पेशी दि. 14/10/2026

प्रेषिती–(1) महावीरप्रसाद जैन पिता निर्मलकुमार जैन निवासी वीरसांवरकर वार्ड पुष्पविहार कालोनी बीना जिला सागर मप्र यह कि आवेदिका सुनीता जैन पिता स्व. खेमचंद जैन निवासी वीरसांवरकर वार्ड ने आपके विरूद्ध इस न्यायालय में वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 25 August 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। **कृपया ध्यान दें:** यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायाधीश,श्रीमती मीनाक्षी शर्मा जोशी
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड बीना जिला सागर (म.प्र.)

-एजी

नाम संशोधन सूचना

मैं, संदीप सिंह परिहार आत्मज श्री उपेन्द्र सिंह परिहार, आयु–वयस्क, निवासी–म.नं. 59, सुरभि विहार, बी.डी.ए. रोड, अवधपुरी, भोपाल, म.प्र.–462022 आधार नं. 4486 3497 0399, मेरे कक्षा 10वी, 12वी की शैक्षणिक अंकसूची में मेरा नाम संदीप सिंह लिखा हुआ है तथा मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम संदीप सिंह परिहार लिखा हुआ है। संदीप सिंह परिहार एवं संदीप सिंह दोनों ही नाम मेरे स्वयं के हैं तथा भविष्य में मैं संदीप सिंह परिहार के नाम से जाना एवं पहचाना जाऊंगा।

संदीप सिंह परिहार

1537

नाम संशोधन सूचना

मैं, दिवाकर सिंह परिहार आत्मज श्री उपेन्द्र सिंह परिहार, आयु–वयस्क, निवासी–म.नं. 59, सुरभि विहार, बी.डी.ए. रोड, अवधपुरी, भोपाल, म.प्र.–462022 आधार नं. 4867 0660 1848, मेरे कक्षा 10वी, 12वी की शैक्षणिक अंकसूची में मेरा नाम दिवाकर सिंह लिखा हुआ है तथा मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम दिवाकर सिंह परिहार लिखा हुआ है। दिवाकर सिंह परिहार एवं दिवाकर सिंह दोनों ही नाम मेरे स्वयं के हैं तथा भविष्य में मैं दिवाकर सिंह परिहार के नाम से जाना एवं पहचाना जाऊंगा।

दिवाकर सिंह परिहार

1536

आपका राशिफल 09 सितम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक 4 6 7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के याग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेंगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक 5 6 7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8